PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, New Delhi
Saturday 13th December 2014, Page: 7
Width: 12.52 cms, Height: 23.36 cms, a4, Ref: pmin.2014-12-13.38.81

# इंदौर में रियायती दरों पर मिलेंगी दवाएं

## रेडक्रॉस सोसायटी खोलेगी मेडिकल स्टोर्स

**इंदौर (ब्यूरो, मप्र)।** मरीजों को रियायती दरों पर दवाएं मुहैया कराने के लिए रेडक्रॉस सोसायटी शहर के प्रमुख स्थानों पर मेडिकल स्टोर्स खोलने जा रही है। रेडक्रास सोसायटी यदि इस मकसद में कामयाब होती है तो इससे आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है। साथ ही निजी अस्पतालों, डॉक्टरों और दवा माफिया के गठजोड़ को तोड़ने में मदद मिलेगी। इंदौर मध्यप्रदेश का मेडिकल हब है और यहां सैकड़ों निजी अस्पतालों के अलावा कुछ कॉरपोरेट स्तर के अस्पताल भी हैं। निजी अस्पतालों और कई मेडिकल स्टोर्स पर दवाओं की बेतहाशा कीमत वसूली जाती है, जबकि इनकी वास्तविक कीमत कम होती है। इस लूट के मुकाबले जिला प्रशासन ने रेडक्रॉस सोसायटी के ज़रिए कुछ मेडिकल स्टोर्स खोलना तय किया है। अभी संख्या और जगह तय नहीं हुई है। इसे लेकर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

### कीमतों में अंतर

शहर में दवाओं की कीमतों को लेकर अंतर देखने को मिल रहा है। इस तरह की शिकायतें सामने आई हैं। मरीजों को रियायती दर पर दवा मिले, इसलिए रेडक्रास सोसायटी के जरिए शहर में कुछ मेडिकल स्टोर्स खोलना तय किया है।

–आकाश त्रिपाठी, कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस सोसायटी

### जांच कराते हैं

यदि किसी मेडिकल स्टोर्स की शिकायत मिलती है तो हम जांच कराते हैं। जहां तक प्राइज का मामला है तो इसे देखने का काम प्राइज कंट्रोल विभाग का है।

–डॉ. अशोक डागरिया, सीएमएचओ

### डॉक्टरों और दवा विक्रेताओं की मिलीभगत से मरीजों को बचाने की तैयारी



■ किसी कंपनी की 250 एमजी, 60 एमएल पेरासिटामोल 39 रुपए तो दूसरी कंपनी की उतने ही पावर और मात्रा की यही दवा 47 रुपए में मिल रही है। आखिर ये अंतर किसलिए?

■ इथिकल और जेनरिक दवाओं के नाम पर भी मरीजों के जेब पर डाका डाला जाता है। कई बार जेनरिक दवाओं में भी इथिकल दवा के बराबर एमआरपी लिख दी जाती है। जबकि इनमें क्वालिटी और रिसर्च के नाम पर प्राइज में अंतर कर रखा है।

■ कई जीवन रक्षक दवाओं की कीमतों को सरकार ने ड्रग प्राइज कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ) के तहत नियंत्रित कर रखा है। इसकी एमआरपी तय कर रखी है। इसके बावजूद अलग-अलग जगह इसकी कीमतों में अंतर मिलता है।

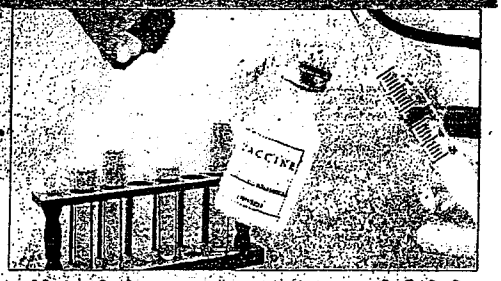

■ सर्वाधिक लूट सर्जिकल आयटम में देखने को मिलती है। सलाइन लगाने के काम आने वाले आईवी सेट की कीमत वास्तव में 5 रुपए से अधिक नहीं होती, लेकिन कई निजी अस्पतालों में इसके 50-55 रुपए तक वसूले जाते हैं।

■ मरीज को चढ़ने वाली एनएस या डीएनएस सलाइन की कीमत आम तौर पर 20-25 रुपए होती है, लेकिन कई मेडिकल स्टोर्स और निजी अस्पतालों में इसके 50 से 100 रुपए तक वसूले जाते हैं।

**2200** मेडिकल स्टोर्स पूरे इंदौर में

**2400** करोड़ का सालाना दवा कारोबार

### डीपीसीयू का ध्यान नहीं मुनाफे का गणित हावी

दवा के मामले में यह प्रदेश में सबसे अधिक टैक्स देने वाला शहर भी है। यहां से प्रदेश में कई जगह दवाओं की सप्लाई होती है। मगर, यहां मुनाफे का गणित अधिक हावी है। वास्तव में कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार की ड्रग प्राइज कंट्रोल यूनिट को इस पर ध्यान देना चाहिए, पर वास्तव में इसका असर बाजार में नजर नहीं आता। यही नहीं, मेडिकल स्टोर्स की निगरानी करने वाले फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की भूमिका भी प्रभावी नहीं है। इन पर निगरानी के लिए शहर में केवल तीन ड्रग इंस्पेक्टर हैं।